

23/10/14

पत्रावली भेज हुई। प्रार्थी आदि न उपर।
अप्रार्थी अधितकल अनुपस्थित। प्रार्थी आदि की
एक पत्रीय बहस बुनी गई। रजिस्ट्र आभिलसो
का अतिलोकन किया गया व संख्या 589 व
588/1 ग्राम थबूकडा में क्रमशः प्रार्थी व
अप्रार्थी के पिता श्रीस्वाम का नाम ~~...~~ अलग
मह-पदातेदारों के साथ दर्ज है। आदेशिका दिनांक
11.7.2014 के तहत मौके एवम रेकॉर्ड की
यथास्थिति बनाए रखने हेतु दोनों पत्रवाहकों
को पाबन्द किया गया था जिसका अप्रार्थीगण
की ओर से आज दिनांक तक पत्रवली में कोई
विरोध अलल्प नहीं। अतः मूल तय के अन्तिम
निस्तारण तक आदेशिका दिनांक 11.7.2014
को जारी रखा जावे - मौजा थबूकडा पटवार
दल्का लोर्डी पीडितजी तहसील व जिला
जोधपुर के खसरा नं० 589 खला 04 बीघा
05 बिस्ता, खसरा संख्या 588/1 खला 06
बीघा 17 बिस्ता भूमि के मध्य चली आ रही
माठ को किसी प्रकार से खुदबुद एवम नष्ट
नहीं करें। मौके व रेकॉर्ड की यथास्थिति बनाए
रखने हेतु दोनों पत्र प्रार्थीगण व अप्रार्थीगण
को अस्थाई निषेधाज्ञा से ता-फैसला मूलतः
पाबन्द किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार
होकर नम्बर एक से कम होकर तृती मूल
तय है। @parvas